राजस्थान मन्त्र प्रतिष्ठान

1.1	**पदनाम**	:	**निदेशक एवं वैश्विक अध्ययन का मुख्य समन्वयक** **Director & Chief Coordinator for Global Studies (Professor)**
	पद संख्या	:	एक (अना.)
	वेतनमान	:	43000/– स्थिर पारिश्रमिक 37400–67000 + 10000 एजीपी

न्यूनतम अनिवार्य अर्हताएं–

(अ)

(i) एक प्रतिष्ठित विद्वान जिसे विद्यावारिधि/पी0एच0डी0 की अर्हता वेद तंत्र मंत्र अथवा संबद्ध शास्त्रों में प्राप्त है, जिसकी प्रकाशित रचना बहुत उत्कृष्ट कोटि की है, जो कि वर्तमान में शोध कार्य में सक्रिय है, जिसके प्रकाशित ग्रन्थों का साक्ष्य विद्यमान है तथा जिसकी कम से कम 10 रचनाऐं हैं– पुस्तकों तथा/अथवा शोध/विषय से जुडे नीति विषयक प्रपत्रों के रूप में।

(ii) किसी भी विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय में अध्यापन का दस वर्ष का न्यूनतम अनुभव हो अथवा विश्वविद्यालय/राष्ट्रीय स्तर के संस्थानों में/शोध संस्था के प्रशासक का अनुभव हो, जिसमें विद्यावारिधि/पी0एच0डी0 स्तर पर कर रहे शोध छात्रों को दिशा निर्देश करने का अनुभव भी सम्मिलित हो।

(iii) शैक्षिक नवोन्मेष, नूतन पाठ्यक्रम तथा विषयों का विस्तार एवं प्रायोगिक कार्यानुष्ठान/अध्यापन/प्रशिक्षण प्रक्रिया का अनुभव प्राप्त हो।

(iv) जैसा कि यूजीसी द्वारा निर्धारित नियमों में निर्दिष्ट किया गया है, तथा जैसा कि शैक्षणिक निष्पादन सूचकांक (ए.पी.आई.) में निष्पादन आधारित समीक्षात्मक प्रणाली पर इंगित रहता है–इन सब के अनुरूप न्यूनतम प्राप्तांक होने अनिवार्य है।

अथवा

(ब) अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट एवं सुप्रतिष्ठत विद्वान जिसने वेद एवं तंत्र मंत्रादि विषयों के ज्ञान में महत्वपूर्ण योगदान किया हो तथा जिसका प्रमाणीकरण प्रत्यायकों द्वारा किया जाए।

वांछनीय अर्हताऐं–

1. देश–विदेश में विश्व स्तर पर अन्य अनुरूप संस्थाओं द्वारा मन्त्रों पर किये जा रहे विज्ञान परक अनुसंधान का गम्भीर अध्ययन एवं उसके समन्वयात्मक अनुप्रयोग की दक्षता।
2. यज्ञ या विभिन्न वैदिक एवं तांत्रिक अनुष्ठानों (यथा कुण्डमण्डप निर्माण एवं प्रयोग) के विधि विधान का पर्याप्त अनुभव।
3 तंत्र, मंत्रादि शास्त्रों का गहन अध्ययन एवं उनके अनुप्रयोग का ज्ञान एवं अनुभव।
4. हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग का ज्ञान एवं अनुभव।
5. वेद की विभिन्न शाखाओं की उच्चारण पद्धति तथा उसके प्रयोगात्मक पक्ष का आलोचनात्मक ज्ञान।

1.2	**पदनाम**	:	**उप निदेशक (सहप्रोफेसर निगमागम शास्त्रीय अध्ययन)** **Deputy Director (Reader) Classical Studies**
	पद संख्या	:	एक (अना.)
	वेतनमान	:	39000/– स्थिर पारिश्रमिक 37400–67000 + 9000 एजीपी

न्यूनतम अनिवार्य अर्हताएं–

(i) श्रेष्ठ शैक्षणिक रिकॉर्ड के साथ पीएच0डी0/विद्यावारिधि जो वेद, तंत्र शास्त्र अथवा संबद्ध विषय में प्राप्त की गई हो।

(ii) न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री (अथवा जहां पर ग्रेडिंग प्रणाली का अनुसरण किया जा रहा हो वहाँ ''पॉइन्ट स्केल'' के अन्तर्गत समस्तरीय ग्रेड)।

(iii) किसी भी विश्वविद्यालय, महाविद्यालय अथवा प्रत्यायित शोध संस्थान में न्यूनतम 8 वर्ष के/का शिक्षण अथवा शोध का अनुभव जो कि सहायक प्रोफेसर के स्तर के समतुल्य हो तथा जो समस्त अनुभव पीएच0डी0 के लिए किए गए शोध के अतिरिक्त हो एवं प्रकाशित रचनाओं के साक्ष्य द्वारा समर्थित हो तथा न्यूनतम 5 प्रकाशित रचनाऐं जो पुस्तकों एवं/अथवा शोध/विषयगत नीति से जुड़े प्रपत्रों के साथ समर्थित हों।

(iv) अभ्यर्थी को शैक्षणिक नवोन्मेषी डिजाइन युक्त नूतन पाठ्यक्रम एवं पाठ्य विषयों एवं तदनुरूप प्रायोगिक कर्मानुष्ठान से युक्त शैक्षिक प्रक्रिया का अनुभव हो तथा इसका साक्ष्य प्रस्तुत करें कि उसने शोध छात्रों एवं अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन किया है।

(v) जैसा कि यूजीसी द्वारा निर्धारित नियमों में निर्दिष्ट किया गया है, तथा जैसा कि शैक्षणिक निष्पादन सूचकांक (ए.पी.आई.) में निष्पादन आधारित समीक्षात्मक प्रणाली पर इंगित रहता है–इन सब के अनुरूप न्यूनतम प्राप्तांक होने अनिवार्य है।

वांछनीय अर्हताऐं–

1. देश–विदेश में विश्व स्तर पर अन्य अनुरूप संस्थाओं द्वारा मन्त्रों पर किये जा रहे विज्ञान परक अनुसंधान का गम्भीर अध्ययन एवं उसके समन्वयात्मक अनुप्रयोग की दक्षता।
2. यज्ञ या विभिन्न वैदिक एवं तांत्रिक अनुष्ठानों (यथा कुण्डमण्डप निर्माण एवं प्रयोग) के विधि विधान का पर्याप्त अनुभव।
3 तंत्र, मंत्रादि शास्त्रों का गहन अध्ययन एवं उनके अनुप्रयोग का ज्ञान एवं अनुभव।
4. हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग का ज्ञान एवं अनुभव।
5. वेद की विभिन्न शाखाओं की उच्चारण पद्धति तथा उसके प्रयोगात्मक पक्ष का आलोचनात्मक ज्ञान।

1.3	**पदनाम**	:	**उप निदेशक (प्रगत अध्ययन वैज्ञानिक)** **Deputy Director (Scientist) Advanced Studies**
	पद संख्या	:	एक (अना.)
	वेतनमान	:	39000/– स्थिर पारिश्रमिक 37400–67000 + 9000 एजीपी

न्यूनतम अनिवार्य अर्हताएं–

(i) श्रेष्ठ शैक्षणिक रिकॉर्ड के साथ पीएच0डी0 डिग्री जो विज्ञान (भौतिकी शास्त्र/ रसायन शास्त्र/ जीव विज्ञान/गणित) विषय में प्राप्त की गई हो।

(ii) न्यूनतम 55 प्रतिशत अंकों के साथ स्नातकोत्तर डिग्री (अथवा जहां पर ग्रेडिंग प्रणाली का अनुसरण किया जा रहा हो वहाँ ''पॉइन्ट स्केल'' के अन्तर्गत समस्तरीय ग्रेड)।

(iii) किसी भी विश्वविद्यालय, महाविद्यालय अथवा प्रत्यायित शोध संस्थान में न्यूनतम 8 वर्ष का शिक्षण अथवा शोध का अनुभव जो कि सहायक प्रोफेसर के स्तर के समतुल्य हो तथा जो समस्त अनुभव पीएच0डी0 के लिए किए गए शोध के अतिरिक्त हो एवं प्रकाशित रचनाओं के साक्ष्य द्वारा समर्थित हो तथा न्यूनतम 5 प्रकाशित रचनाऐं जो पुस्तकों एवं/अथवा शोध/विषयगत नीति से जुड़े प्रपत्रों के साथ समर्थित हों।

(iv) अभ्यर्थी को शैक्षणिक नवोन्मेषी डिजाइन युक्त नूतन पाठ्यक्रम एवं पाठ्य विषयों एवं तदनुरूप प्रायोगिक कर्मानुष्ठान से युक्त शैक्षिक प्रक्रिया का अनुभव हो तथा इसका साक्ष्य प्रस्तुत करें कि उसने शोध छात्रों एवं अभ्यर्थियों का मार्गदर्शन किया है।

(v) जैसा कि यूजीसी द्वारा निर्धारित नियमों में निर्दिष्ट किया गया है, तथा जैसा कि शैक्षणिक निष्पादन सूचकांक (ए.पी.आई.) में निष्पादन आधारित समीक्षात्मक प्रणाली पर इंगित रहता है–इन सब के अनुरूप न्यूनतम प्राप्तांक होने अनिवार्य है।

वांछनीय अर्हताऐं–

1. वैज्ञानिक शोध/अनुसंधान में दक्षता एवं अनुभव के साथ आधिदैविक/लोकोत्तर विषयों में अभिरूचि।
2. संबंधित विषय के साथ अन्य शोध विज्ञानों का समन्वित करने की क्षमता।
3. भारतीय परम्परा के तंत्र मंत्रादि शास्त्रीय विषयों का अध्ययन, तत्सम्बन्धी प्रक्रियाओं में रूचि एवं विशिष्ट अनुभव।
4. हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग का ज्ञान एवं अनुभव।
5. वैज्ञानिक प्रयोगशाला की परीक्षण प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान।

1.4	**पदनाम**	:	**सहायक शोध अधिकारी एवं कार्यपालक अभिरक्षक, प्रलेखन एवं संदर्भ संसाधन केन्द्र–सहायक आचार्य (Research Associate cum-Executive Custodian of Documentation & Reference Resource Centre RA and EC (DRRC) Asst. Professor))**
	पद संख्या	:	एक (अना.)
	वेतनमान	:	18200/– स्थिर पारिश्रमिक 15600–39100 + 6000 एजीपी

न्यूनतम अनिवार्य अर्हताएं–

(i) किसी भी सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा परिभाषित रूप के अनुसार श्रेष्ठ अकादमिक रिकार्ड–जिसमें न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक हों (जहां पर भी ग्रेडिंग प्रणाली का अनुसरण किया जाता रहा हो–तदनुसार एक पॉइन्ट स्केल के अन्तर्गत एक समतुल्य ग्रेड हो) जो कि स्नातकोत्तर स्तर पर हो–किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय से वेद, तंत्र शास्त्र अथवा संबद्ध विषय में प्राप्त हो–अथवा किसी भी प्रत्यायित विदेशी विश्वविद्यालय से प्राप्त कोई समतुल्य डिग्री हो।

(ii) उपरोक्त अर्हताओं को पूरा कर लेने के अतिरिक्त, अभ्यर्थियों द्वारा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) जो कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित की जाती है–अथवा सी.एस.आई.आर. द्वारा–अथवा इस के समतुल्य परीक्षण जिन्हें यू.जी.सी. द्वारा प्रत्यायित किया गया है जैसा कि स्लेट/सेट आदि उत्तीर्ण की गई हो।

(iii) उपरोक्त के अलावा ऐसे अभ्यर्थियों को जिनको यू.जी.सी. नियमन–2009 के अनुरूप पीएच0डी0 डिग्री प्राप्त हुई है (न्यूनतम मानक एवं विधि सहित जो कि पीएच0डी0 प्रदान करने के लिए नितान्त अनिवार्य है)– नेट/स्लेट/सेट की पात्रता शर्तों की अनिवार्यता से जोकि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सहायक प्रोफेसरों अथवा इनके समतुल्य स्थिति वालों की भर्ती एवं नियुक्तियों के लिए निर्धारित की गई है, छूट मिल जाएगी।

वांछनीय अर्हताऐं–

1. प्रलेखन (डोक्यूमेन्टेशन) एवं शोध संदर्भ केन्द्र के तथा डिजीटल व्यवस्था सहित पुस्तकालय एवं अकाउस्टिक स्टुडियो के प्रबन्धन में दक्षता।
2. देश–विदेश में विश्व स्तर पर अन्य अनुरूप संस्थाओं द्वारा मन्त्रों पर किये जा रहे विज्ञान परक अनुसंधान का गम्भीर अध्ययन एवं उसके समन्वयात्मक अनुप्रयोग की दक्षता।
3. यज्ञ या विभिन्न वैदिक एवं तांत्रिक अनुष्ठानों (यथा कुण्डमण्डप निर्माण एवं प्रयोग) के विधि विधान का पर्याप्त अनुभव।
4. तंत्र, मंत्रादि शास्त्रों का गहन अध्ययन एवं उनके अनुप्रयोग का ज्ञान एवं अनुभव।
5. हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग का ज्ञान एवं अनुभव।
6. वेद की विभिन्न शाखाओं की उच्चारण पद्धति तथा उसके प्रयोगात्मक पक्ष का आलोचनात्मक ज्ञान।

1.5	**पदनाम**	:	**सहायक शोध अधिकारी एवं कार्यपालक अन्वेषक, प्रयोगशाला तथा डिजीटल अनुप्रयोग प्रकोष्ठ –सहायक आचार्य (Research Associate cum-Executive Investigator, Laboratory & Digital Application Cell, RA and EL (LDAC) - Asst. Professor))**
	पद संख्या	:	एक (अना.)
	वेतनमान	:	18200/– स्थिर पारिश्रमिक 15600–39100 + 6000 एजीपी

न्यूनतम अनिवार्य अर्हताएं–

(i) किसी भी सम्बद्ध विश्वविद्यालय द्वारा परिभाषित रूप के अनुसार श्रेष्ठ अकादमिक रिकार्ड–जिसमें न्यूनतम 55 प्रतिशत अंक हों (जहां पर भी ग्रेडिंग प्रणाली का अनुसरण किया जाता रहा हो–तदनुसार एक पॉइन्ट स्केल के अन्तर्गत एक समतुल्य ग्रेड हो) जो कि स्नातकोत्तर स्तर पर हो–किसी भी भारतीय विश्वविद्यालय से विज्ञान (भौतिकी शास्त्र/ रसायन शास्त्र/ जीव विज्ञान/गणित) विषय में प्राप्त–अथवा किसी भी प्रत्यायित विदेशी विश्वविद्यालय से प्राप्त कोई समतुल्य डिग्री हो।

(ii) उपरोक्त अर्हताओं को पूरा कर लेने के अतिरिक्त, अभ्यर्थियों द्वारा राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (नेट) जो कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित की जाती है–अथवा सी.एस.आई.आर. द्वारा–अथवा इस के समतुल्य परीक्षण जिन्हें यू.जी.सी. द्वारा प्रत्यायित किया गया है जैसा कि स्लेट/सेट आदि उत्तीर्ण की गई हो।

(iii) उपरोक्त (ii) उपनियम में जो भी व्यक्त किया गया है–इस सबके बाबजूद भी, ऐसे अभ्यर्थी जिनको यू.जी.सी. नियमन–2009 के अनुरूप पीएच0डी0 डिग्री प्रदान हुई है (न्यूनतम मानक एवं विधि जो कि पीएच0डी0 प्रदान करने के लिए नितान्त अनिवार्य है)– ऐसे अभ्यर्थियों को नेट/स्लेट/सेट की पात्रता शर्तों की अनिवार्यता से छूट मिल जाएगी–ऐसी शर्तें जो कि विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में सहायक प्रोफेसरों अथवा इनके समतुल्य स्थिति वालों की भर्ती एवं नियुक्तियों के लिए निर्धारित की गई है।

वांछनीय अर्हताऐं–

1. संबंधित विषय के साथ विविध विषयों को शोध विज्ञान के अनुरूप समन्वित करने की क्षमता।
2. भारतीय परम्परा के तंत्र मंत्रादि शास्त्रीय विषयों का अध्ययन, तत्सम्बन्धी प्रक्रियाओं में रूचि एवं विशिष्ट अनुभव।
4 हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी एवं कम्प्यूटर अनुप्रयोग का ज्ञान एवं अनुभव।
5. वैज्ञानिक प्रयोगशाला की परीक्षण प्रक्रिया का व्यावहारिक ज्ञान।
6. प्रयोगशाला एवं डिजीटल अनुप्रयोग प्रकोष्ठ के प्रबन्धन एवं निर्देशन में दक्षता एवं अनुभव।